

STM

प्रयोगात्मक मनोवैज्ञानिकों ने स्मृति के कई प्रकारों का वर्णन किया है। सर्वप्रथम हरमन इकिंगहॉस (1885) ने स्मृति-चिह्नों को संचित करने की अवधि की कसौटी के आधार पर स्मृति के तीन प्रकार बतलाया है - संवेदी स्मृति, लघुकालीन स्मृति और दीर्घकालीन स्मृति।

लघुकालीन स्मृति जिसे डाल (Short-term memory) कहा जाता है, को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है। विलियम जैम्स ने इसे PM (Primary memory) अर्थात् प्राथमिक स्मृति कहा है। इसी तरह इसे सक्रिय स्मृति, तात्कालिक स्मृति, लघु-कालीन संचयन आदि नाम से भी जाना जाता है।

डाल से तात्पर्य उस सीमित सूचनाओं के संचयन से होता है जिसे थोड़े समय अर्थात् न्यूनतम एक सेकेंड से तथा अधिकतम 20 से 30 सेकेंड के लिए सक्रिय अवस्था में व्यक्तित्व रख पाता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि डाल में वेही सूचनाएँ संचित होती हैं जिस पर व्यक्ति ध्यान देता है, उसे संसाधित करता है तथा उसे दोहराता है। इसको इस प्रकार समझिए - मान लिया जाय कि किसी व्यक्ति से वास्तविक करते समय हम उसके तथ्यों का 15 सेकेंड के बाद भूल जाते हैं क्योंकि हमारा ध्यान दूसरी चीज पर चला जाता है। यह डाल का उदाहरण है क्योंकि इसके मात्र 15 सेकेंड तक के लिए सूचनाओं को संसाधित किया गया।

शिक्षण के क्रमिक प्रत्यावाहन किन्हीं प्रयोगों से डाल के क्षमिता का प्रमाण मिलता है। जब प्रयोग्य शब्दों के एक श्रृंखला की सूची को सीखता है तो प्रायः निचली ध्यान के शब्दों का प्रत्यावाहन

कर पाता है। नीचली स्थानों के शब्दों का प्रयोग नकीनता-प्रभाव कहलाता है। नकीनता-प्रभाव इस बात की ओर इशारा करता है कि सूची के नीचली स्थानों के शब्दों का प्रयोग इसलिए हुआ क्योंकि वे डाल में थे।

डाल की विशेषताएँ : — मनीषाशानिकों ने अपने अध्ययनों के आधार पर डाल की कुछ ~~विशेषताएँ~~ विशेषताओं को स्पष्ट किया है :—

(1) डाल कमजोर होती है। यदि उनका रिहर्सल नहीं हो पाता है, तो उनकी स्मृति-चिन्ह तुरन्त ही समाप्त हो जाता है और डाल का आस्तिन स्वतः में पड़ जाता है।

(2) डाल में उचीपकों के बारे में ज्ञान द्विज द्वारा प्राप्त सूचनाओं का कूटलेकीकरण करके उन्हें संचित किया जाता है।

(3) डाल में सामान्यतः 5 से 9 ($n \pm 2$) अलग-अलग सूचनाओं को ही एक साथ संचित किया जा सकता है। परन्तु पुँडिंग की प्रक्रिया द्वारा नौ से भी अधिक अलग-अलग सूचनाओं को संचित किया जा सकता है।

(4) डाल की अवधि अधिक-से-अधिक 20 से 30 सेकंड तक होता पाया गया है।

इस प्रकार, डाल की अपनी कुछ विशेषताएँ होती हैं जिन्हें आधार पर इनके स्वतः को स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है और इसे संवेदी स्मृति एवं डाल से अलग किया जा सकता है।